



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 388]
No. 388]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 29, 1999/आषाढ़ 8, 1921
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 29, 1999/ASADHA 8, 1921

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 1999

आयकर

का.आ. 515(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 206ग की उपधारा (11) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (तेइसवां संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, नियम 37च के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“37छ. धारा 206 ग की उपधारा (9) के अधीन निम्नतर दरों पर कर के संग्रहण के लिए प्रमाणपत्र के लिए आवेदन— धारा 206ग की उपधारा (9) के अधीन प्रमाणपत्र के लिए क्रेता द्वारा आवेदन प्ररूप सं. 27च में किया जाएगा।

37ज. धारा 206ग की उपधारा (9) के अधीन क्रेता से निम्नतर दरों पर कर के संग्रहण के लिए प्रमाणपत्र—(1) जहां निर्धारण अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि क्रेता की कुल आय धारा 206ग की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट सुसंगत दर से निम्नतर किसी दर पर कर के संग्रहण को न्यायोचित ठहराती है, वहां वह नियम 37छ के अधीन क्रेता द्वारा दिए गए आवेदन पर उस धारा की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट सुसंगत दर से निम्नतर ऐसी दर से कर के संग्रहण के लिए उसे प्ररूप सं. 27छ में प्रमाणपत्र देगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन दिया गया प्रमाणपत्र, उस प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट निर्धारण वर्ष के लिए विधिमाम्य होगा, जब तक कि विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय निर्धारण अधिकारी द्वारा उसे रद्द नहीं कर दिया जाता है।

(3) नये प्रमाणपत्र के लिए आवेदन, यदि अपेक्षित हो, उपनियम (1) के अधीन दिए गए पूर्वतर प्रमाणपत्र की विधिमाम्यता की अवधि की समाप्ति के पश्चात् ही दिया जाएगा।

(4) प्रमाणपत्र केवल उस व्यक्ति के लिए ही विधिमाम्य होगा जिसका उसमें नाम है।

(5) प्रमाणपत्र क्रेता की सलाह से कर के संग्रहण के लिए उत्तरदायी ऐसे व्यक्ति को दिया जाएगा जिसने ऐसे प्रमाणपत्र के दिए जाने के लिए आवेदन किया था।”

3. आयकर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं. 27, ऊष के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप सं. 27च

[नियम 37छ देखिए]

निम्नतर दर पर कर के संग्रहण के लिए प्रमाणपत्र के लिए आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 206ग की उपधारा (9) के अधीन क्रेता द्वारा आवेदन

सेवा में,

निर्धारण अधिकारी

.....
.....
.....

महोदय,

मैं.....यह अनुरोध करता हूँ कि विक्रेता को जो.....

(क्रेता का नाम उल्लिखित करें)

.....के क्रेता के रूप में मेरे द्वारा संदेय रकम की बाबत मुझसे कर संग्रहीत करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति है, यथास्थिति
[धारा 206ग की उपधारा (1) में सारणी में वर्णित माल की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करें]

मेरे खाते में ऐसी रकम को भाने डालते समय प्रतिशत की दर से आयकर संग्रहीत करने या मुझसे उसे प्राप्त करने के लिए
उसको प्राधिकृत करते हुए प्रमाणपत्र जारी किया जाए।

2. मेरी आय की विशिष्टियाँ/अन्य सुसंगत ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

- (क) क्रेता का नाम और पता।
- (ख) प्रास्थिति (कथन करे क्या व्यक्ति, हिन्दू अविभाजित कुटुम्ब, फर्म, व्यष्टियों का निकाय, आदि है)।
- (ग) निवासीय प्रास्थिति (क्या निवासी/जो निवासी है किन्तु मामूली तौर पर निवासी/अनिवासी है)।
- (घ) स्थायी खाता सं. यदि कोई हो।
- (ङ) वह निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में संदाय है।
- (च) ऊपर (ङ) में निर्दिष्ट निर्धारण वर्ष से सुसंगत पूर्व वर्ष की प्राक्कलित कुल आय (संगणना और उसका आधार दीजिए)।
- (छ) (च) में आय का संदेय कुल कर।
- (ज) स्तम्भ (छ) में अवधारित दायित्व का किस प्रकार निर्वहन किए जाने का प्रस्ताव है?
(अग्रिम कर, स्रोत पर कटे कर और स्रोत पर संग्रहीत कर/संदत्त की जाने वाली रकम विनिर्दिष्ट करें)।
- (झ) पिछले तीन निर्धारण वर्षों में निर्धारित कुल आय और ऐसे प्रत्येक वर्ष के लिए संदत्त कुल कर :

निर्धारण वर्ष	कुल आय (रु.)	कुल कर (रु.)
(i)		
(ii)		
(iii)		

- (अ) पहले से ही संदत्त अग्रिम कर, स्रोत पर कटे कर और स्रोत पर संग्रहीत कर, यदि कोई हो, की तारीख और रकम।
- (ट) उस आय के ब्यौरे, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और जो ऊपर (च) में निर्दिष्ट प्राक्कलित कुल आय में सम्मिलित नहीं है।
(कृपया ऐसा टिप्पण संलग्न करें, जिसमें ऐसी छूट के दावे के लिए कारण दिए गए हों)।
- (र) उन संदेय रकमों की विशिष्टियाँ जिसकी बाबत प्रमाणपत्र चाहा गया है:

क्र.सं.	विक्रेता का पूरा नाम और पता	ऐसे विक्रय की सं. के प्रतिनिर्देश से विक्रय की तारीख	बेचे जाने वाले माल की प्रकृति और वर्णन तथा विक्रय के ब्यौरे	चालू वित्तीय वर्ष और ठीक तीन उत्तरवर्ती वर्षों के दौरान विक्रय के अनुसरण में नामे डाले जाने/संदाय किए जाने के लिए प्रत्याशित रकम
1	2	3	4	5

मैं घोषणा करता हूँ कि इस आवेदन में, जो कथन किया गया है, सही है।

स्थान

तारीख

.....
क्रेता के हस्ताक्षर

पूरा नाम

पदनाम

“प्ररूप सं. 27छ

[नियम 37ज देखिए]

स्रोत पर कर के संग्रहण की बाबत आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 206ग की उपधारा (9) के अधीन प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र सं.

*सेवा में,
.....
.....

आयकर कार्यालय,
.....
.....

तारीख

मैं के विक्रय, जिसकी विशिष्टियां नीचे अनुसूची में दी गई हैं

[धारा 206ग की उपधारा (1) में सारणी में उल्लिखित माल की प्रकृति विनिर्दिष्ट करें]

के मददे उक्त क्रेता से ऐसी रकम, ऐसी रकम के प्रतिशत की दर से आयकर संग्रहीत करने के परचाए मैसर्स..... द्वारा संदेय रकम को, यथस्थिति उसके नामे डालने या प्राप्त करने के लिए

(क्रेता का नाम)

आपको प्राधिकृत करता हूँ।

2. यह प्रमाणपत्र निर्धारण वर्ष..... के लिए प्रवृत्त रहेगा, जब तक कि उक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व आपको सूचना देते हुए इसे रद्द नहीं कर दिया जाता है।

अनुसूची

क्र.सं.	विक्रेता का पूरा नाम और पता	ऐसे विक्रय की सं. के प्रतिनिर्देश से विक्रय की तारीख	बेचे जाने वाले माल की प्रकृति और वर्णन तथा विक्रय के ब्यौरे	चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विक्रय के अनुसरण में नामे डाले जाने/संदाय किए जाने के लिए प्रत्याशित रकम
1	2	3	4	5

(मुद्रा)

.....
निर्धारण अधिकारी

“कर संग्रहीत करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति का नाम और पता ।”

[अधिसूचना सं. 10983/फा. सं. 142/24/99-टीपीएल]

एस. बालासुब्रामणियन, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम अधिनियम का.आ. सं. 969, तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित की गई थी और अंतिम संशोधन का.आ. सं. 500 तारीख 25-6-1999 के अधीन प्रकाशित अधिसूचना द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th June, 1999

INCOME-TAX

S.O. 515(E).—In exercise of the powers conferred by section 295, read with sub-section (11) of section 206C, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twenty third Amendment) Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 37F, the following shall be inserted, namely :—

“37G. Application for certificate for collection of tax at lower rates under sub-section (9) of section 206C.—An application by a buyer for a certificate under sub-section (9) of section 206C shall be made in Form No. 27F.

37H. Certificate for collection of tax at lower rates from buyer under sub-section (9) of section 206C.—(1) Where the Assessing Officer is satisfied that the total income of the buyer justifies the collection of tax at any lower rate than the relevant rate specified in sub-section (1) of section 206C, he shall, on an application made by the buyer under rule 37G, give to him a certificate in Form No. 27G for collection of tax at such lower rate than the relevant rate specified in sub-section (1) of that section.

(2) The certificate given under sub-rule (1) shall be valid for the assessment year specified in that certificate, unless it is cancelled by the Assessing Officer at any time before the expiry of the specified period.

(3) An application for a fresh certificate may be made, if required, after the expiry of the period of validity of the earlier certificate given under sub-rule (1).

(4) The certificate shall be valid only for the person named therein.

(5) The certificate shall be issued direct to the person responsible for collecting the tax under advice to the buyer who made an application for issue of such certificate.”

3. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, after Form No. 27ED, the following Forms shall be inserted, namely :—

“FORM No. 27F

[See rule 37G]

Application by a buyer, under sub-section (9) of section 206C of the Income-tax Act, 1961, for a certificate for collection of tax at a lower rate

To

The Assessing Officer

.....

.....

.....

Sir,

I,, do hereby request that a certificate may be issued to the seller, being the
[mention name of the buyer]

person responsible for collecting the tax from me in respect of the amount payable by me as the
buyer of, authorising him to collect income-tax at the
[Specify the nature of goods referred to in the Table in sub-section (1) of section 206C]

rate of per cent at the time of debit of such amount to my account or receipt thereof from me, as the case
may be.

2. The particulars of my income/other relevant details are as under :

- (a) Name and address of the buyer.
- (b) Status (state whether individual, Hindu Undivided Family, firm, Body of Individuals, etc.).
- (c) Residential status (whether resident/resident but not ordinarily resident/non-resident).
- (d) Permanent Account Number, if any.
- (e) Assessment year to which the payments relate.
- (f) Estimated total income of the previous year relevant to the assessment year referred to in (e) above
(give the computation and basis thereof).
- (g) Total tax payable on the income at (f).
- (h) How the liability determined in column (g) is proposed to be discharged? (specify the amount to be paid by
way of advance tax, tax deducted at source and tax collected at source).
- (i) Total income assessed in the last three assessment years and the total tax paid for each such year :

	Assessment year	Total income (Rs.)	Total tax (Rs.)
(i)			
(ii)			
(iii)			
- (j) Date and amount of advance tax, tax deducted at source and tax collected at source, if any, already paid so far.
- (k) Details of income claimed to be exempt and not included in the estimated total income, referred to in (f) above.
(please append a note giving reason for claiming such exemption).
- (l) Particulars of the amounts payable in respect of which the certificate is sought :

Sl. No.	Full name and address of the seller	Date of sale with reference number of such sale	Nature and description of the goods sold and details of sale	Amounts expected to be debited paid in pursuance of the sale during the current financial year and each of the three immediately succeeding years
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

I hereby declare that what is stated in this application is correct.

Place

Date

Signature of the buyer

Full Name

Designation

FORM No. 27G

[See rule 37H]

Certificate, under sub-section (9) of section 206C of the Income-tax Act, 1961, relating to collection of tax at source

Certificate No.

*To

Income-tax Office,

.....

.....

Date

I hereby authorise you to debit the amount payable by M/s. to his account or to receive, as the
(Name of the buyer)

case may be, such amount from the said buyer on account of sale of

[Specify the nature of goods referred to in the Table in sub-section (1) of section 206C]

the particulars of which are given in the Schedule below, after collecting income-tax at the rate of per cent. of such amount.

2. This certificate shall remain in force for the assessment year unless it is cancelled by me under intimation to you before the expiry of the said period.

SCHEDULE

Serial number	Full name and address of the seller	Date of sale with reference number of such sale	Nature and description of the goods sold and details of sale	Amounts expected to be debited/received in pursuance of the sale during the current financial year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

(SEAL)

Assessing Officer

*Name and address of the person responsible for collecting tax."

[Notification No. 10983/F. No. 142/24/99-TPL]

S. BALASUBRAMANIAN, Under Secy.

Foot Note :—The Principal rules were published vide Notification vide S.O. No. 969 dated 26-3-1962 and last amended by notification published under S.O. No. 500(E) dated 25-6-1999.